

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

आपके आलू का कोई सोना नहीं बना सकता: पीएम मोदी

का राहुल गांधी पर तंज, गुजरात को दी 14000 करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के एक पुराने बयान को लेकर उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पहले की सरकार सिर्फ और सिर्फ किसानों के साथ धोखा करती थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गुजरात के दो दिन के दौरे पर पहुंचे। अपने दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से राज्य को 14000 हजार करोड़ की सौगात दी। विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी ने एक

संक्षिप्त समाचार

बदरीनाथ से लौट रहा हेलीकॉप्टर मारवाड़ी के पास पहाड़ी पर क्रैश, पायलट समेत छह लोग थे सवार, संपर्क नहीं

बदरीनाथ धाम से लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का हेलिकॉप्टर मारवाड़ी पुल के ऊपर जेपी पावर हाउस की ओर पहाड़ी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में एक पायलट और पांच यात्रियों समेत कुल छह लोग सवार बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य के लिए पुलिस, एसडीआरएफ, सेना और आईटीबीपी की टीमें मौके के लिए रवाना हो गई हैं। बदरीनाथ धाम से देहरादून के सहस्रधारा लौट रहा एक हेलीकॉप्टर क्रैश होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर में छह यात्री सवार थे। हादसे की जानकारी मिलने के बाद उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) और पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई हैं। हेलीकॉप्टर और उसमें सवार लोगों की स्थिति का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे के बाद से पायलट से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब तक उससे संपर्क नहीं हो पाया है। ऐसे में हेलीकॉप्टर की लोकेशन का पता लगाने के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है। खराब मौसम के बीच खोजबीन का काम शुरू किया गया है। हेलीकॉप्टर की तलाश के लिए टीमें जुटी हुई हैं। बदरीनाथ से वापसी के दौरान हुए इस हादसे की सूचना से अफरा-तफरी का माहौल है। अधिकारियों के अनुसार, बदरीनाथ से देहरादून के सहस्रधारा जा रहे ट्रांस भारत एविएशन के हेलीकॉप्टर की लोकेशन छई गांव के ऊपर स्थित सेना कैंप के पास दिखाई दे रही है।



जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और विपक्ष पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेता प्रतिपक्ष आलू से सोना बनाने वाले बयान पर चुटकी ली और कहा कि अब कोई ऐसा नहीं कर सकता। कोई नहीं कह सकता कि वह आलू को सोने में बदल सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज बनासकांठा के आलू दुनिया भर में मशहूर हैं। और कोई भी बनासकांठा के किसी व्यक्ति के

पास आकर यह दावा करने की हिम्मत नहीं करेगा कि वह आलू को सोने में बदल सकता है। क्योंकि वे खुद ही ऐसा कर रहे हैं। यहां हमारे पास बनास डेयरी जैसा एक सहकारी ब्रांड है, जो सहकारी आंदोलन को न केवल यहां, बल्कि काशी सहित देश के अन्य हिस्सों में भी आगे बढ़ा रहा है। मैं बनास डेयरी का विशेष रूप से आभारी हूं क्योंकि मेरी काशी को भी आपके अनुभव और आपकी सेवाओं से लाभ मिल रहा है। 12 क्लस्टरों से बागवानी को मिलेगा बढ़ावा- प्रधानमंत्री ने

फल और सब्जियां उगाने वाले किसानों के लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम का भी जिक्र किया। इसके तहत टमाटर, आलू, मिर्च, अंगूर, केला, प्याज, संतरा, अनार और कोको जैसी फसलों के लिए 12 क्लस्टरों को मंजूरी दी गई है। इस योजना का मकसद किसानों को खेती के आधुनिक तरीके अपनाने और उत्पादन बढ़ाने में मदद करना है। इसके तहत किसान नए बाग लगा सकेंगे और पुराने बागों को भी दोबारा बेहतर बना सकेंगे। परियोजना के लिए सब्सिडी देने की व्यवस्था भी

की गई है। उत्तर गुजरात के आलू किसानों को भी होगा लाभ- मोदी ने बताया कि उत्तर गुजरात के लिए दो क्लस्टर मंजूर किए गए हैं। इनका सीधा फायदा बनासकांठा और साबरकांठा के आलू किसानों को मिलने की उम्मीद है। इससे किसानों को उत्पादन के साथ-साथ खेती से जुड़े दूसरे कामों में भी मदद मिलेगी। बेहतर सुविधाएं मिलने पर किसान अपनी फसल की गुणवत्ता सुधार सकेंगे और बाजार की जरूरत के हिसाब से उत्पादन कर पाएंगे। बनास डेयरी के सहकारी मॉडल की भी तारीफ- प्रधानमंत्री ने बनास डेयरी की तारीफ करते हुए कहा कि उसने सहकारी आंदोलन को गुजरात से बाहर भी आगे बढ़ाया है। काशी सहित देश के दूसरे हिस्सों को भी इसके अनुभव और सेवाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों को साथ लेकर चलने वाला यह मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मददगार है। मोदी ने कहा कि गुजरात का विकास देश के विकास में योगदान देता है और लोगों की सेवा ही राष्ट्र की सेवा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के बीच संदेश पहुंच गया है कि भाजपा विधान परिषद चुनाव में बेईमानी से जीती है। अगर ईमानदारी से चुनाव होते तो ये छह सीटें न जीत पाते। यूपी विधान परिषद चुनाव में 5 सीटों पर जीत से उत्साहित सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि ये धूमधाम मचाने वाले लोग इन चुनाव में धड़ाम से गिर गए। भाजपा सिर्फ 5 सीट ही नहीं हारी है बल्कि 50 जिलों में हारी है। उन्होंने कहा कि एमएलसी चुनाव में सपा जनता के समर्थन से जीती है जबकि जनता में संदेश ये गया है कि भाजपा ने इन चुनाव में छल करके छह सीटें जीती हैं। जहां साजिश है। वहीं, भाजपा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने बेईमानी से छह सीटें जीती हैं। अगर ईमानदारी से चुनाव होते तो भाजपा की जीत ऐसी न होती। उन्होंने विधान परिषद के सभी विजयी सदस्यों को बधाई दी। इस जीत से साबित हो गया है कि व्यापारी हमारे साथ हैं। आधी आबादी हमारे साथ हैं। उन्होंने वाराणसी की सीटों पर हार को लेकर सीएम



योगी पर तंज कसते हुए कि काशी भले ही डूब जाए पर गोरखधंधा बंद न हो। अखिलेश यादव सपा मुख्यालय में मोडिया को संबोधित कर रहे थे। वाराणसी में डबल इंजन की डबल हार। अखिलेश यादव ने वाराणसी में भाजपा की हार पर कहा कि वाराणसी में डबल इंजन की डबल हार हुई है। इन चुनाव में महिला शिक्षकों ने भाजपा के खिलाफ वोट किया है। उन्होंने कहा कि अब कई अफसरों पर गाज गिरने वाली है। उन्होंने एमएलसी चुनाव में अनियमितता के आरोप भी लगाए और अमरोहा में 94 प्रतिशत मतदान पर सवाल उठाए। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह के 2027 के चुनाव में जीत के बाद प्रदेश में समान

नागरिक संहिता लागू करने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि वो यूसीसी लागू करने लायक ही नहीं बचेंगे। 2027 का चुनाव भाईचारे का चुनाव होने जा रहा है। ये लोग हमेशा के लिए हटाये जाएंगे। जनता सांप्रदायिक राजनीति के पक्ष में नहीं है। भाजपा के 10 वर्षों का दिया हिसाब- अखिलेश यादव ने इस मौके पर भाजपा के बीते 10 वर्षों के शासनकाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में प्रदेश में 27 हजार स्कूलों को बंद किया गया। भाजपा राज में आरक्षण लूटा गया। प्रदेश में 30 से ज्यादा पेपर लीक हुए। एक तरफ स्कूलों को बंद किया गया तो दूसरी तरफ 27 हजार शराब के ठेके खुलवाए गए।

चक्रवात अर्नब का कहर: कहीं डूबे गांव तो कहीं बर्बाद हुई फसल, प्रियंका गांधी ने की कांग्रेसियों से मदद की अपील

चक्रवात अर्नब के कारण आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भारी बारिश से लोगों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पीड़ितों के राहत और बचाव कार्यों में जुटने की अपील की है, वहीं राहुल गांधी और अमित शाह ने भी प्रभावित लोगों की मदद का भरोसा दिया है। चक्रवात अर्नब ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कहीं भारी बारिश और बाढ़ से घरों में पानी घुस गया है तो कहीं किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए कांग्रेस



महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगे आकर लोगों की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित परिवारों तक हर संभव सहायता पहुंचाई जाए और राहत-बचाव के काम में पूरा सहयोग किया जाए। प्रियंका गांधी ने जताई चिंता, कार्यकर्ताओं से की अपील-

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए चक्रवात से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं आंध्र प्रदेश के उन लोगों के साथ हैं जो चक्रवात अरनाब से हुई तबाही का सामना कर रहे हैं, और ओडिशा के उन लोगों के साथ भी हैं जो भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हैं। मैं सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करती हूं कि वे प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें तथा राहत और बचाव कार्यों में सहयोग दें। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी चक्रवात से हुए नुकसान

पर चिंता जताई है। उन्होंने आंध्र प्रदेश में तूफान और ओडिशा में भारी बारिश व बाढ़ से प्रभावित परिवारों के प्रति दुख जाहिर किया। राहुल गांधी ने कहा कि जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके दुख में वह उनके साथ हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कई परिवारों के घर उजड़ गए हैं और लोगों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। ऐसे समय में सरकारों को बिना देरी किए प्रभावित लोगों तक राहत और पुनर्वास की सुविधाएं पहुंचानी चाहिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और उनकी जरूरतों को प्राथमिकता देने की बात कही।

गृहमंत्री अमित शाह का एलान: यूपी में लागू करेंगे यूसीसी, 30 अक्तूबर का खूनी इतिहास याद दिलाया

गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में संगठन की ताकत, सरकार के कामकाज और आगामी चुनावी एजेंडे को धार देगी। बैठक में पेश किए जाने वाले राजनीतिक एजेंडे के जरिये पार्टी तीसरी बार जीत दर्ज करने की रणनीति का खाका प्रस्तुत करेगी। लखनऊ में भाजपा कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी में तीसरी बार सरकार बनने पर प्रदेश में समान नागरिक



संहिता लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को यूपी से कोई हटा नहीं सकता है। यूपी में 30 अक्तूबर का बड़ा योगदान है। आज के ही दिन 1990 में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। मैं पूछना चाहता हूं कि आप किस मुंह से सरकार बनाने की बात करते हैं। आपने रामभक्तों पर गोलियां चलाई हमने राम मंदिर बना

दिया। आपकी तीसरी पीढ़ी को भी जनता माफ नहीं करेगी। कल्याण सिंह ने सरकार की चिंता किए बिना विवादित ढांचे को ध्वस्त कराया था। उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा सरकार अंगद का पैर है उसे कोई नहीं हटा सकता है। उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है कोई दुविधा नहीं है। यूपी में तीसरी बार सरकार बना दो यहां भी यूसीसी लागू करेंगे। गृहमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस मैच हारने के बाद अंपायर पर आरोप लगा रहे हैं कि वोट चोरी हुई। भाजपा संसद

में चर्चा के लिए तैयार है। एक बार आ आइए विशेष सत्र बुलाते हैं। हम एक एक बात का जवाब देने को तैयार हैं। संसद में चर्चा कीजिए। यूपी को माफियाओं से मुक्त किया-अमित शाह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैं योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कठोर शासन देकर यूपी को माफियाओं से मुक्त किया है। यूपी से भाजपा को कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप सब कमर कस लो।

विपक्ष का जन महाभियोग टला: इंडिया गठबंधन के अभियान में बारिश बनी बाधा, दी कार्यक्रम की नई तारीख

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन का प्रस्तावित सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम मौसम खराब होने के कारण टाल दिया गया है। यह आयोजन खरों के आवास पर होने वाली थी। इसमें विपक्ष एसआईआर, वोट चोरी और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे उठाने वाले थे। जन महाभियोग कार्यक्रम को एक दिन के लिए टाले जाने के बाद विपक्षी नेताओं ने साफ किया है कि कार्यक्रम अब कल इसी समय आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और अलग-अलग जगह हो रहे प्रदर्शन असल में एक ही विरोध का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को दिल्ली पहुंचने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि कार्यक्रम रद्द नहीं हुआ है, बल्कि इसे सिर्फ एक दिन आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि कल इसी वक्त महाभियोग कार्यक्रम होगा और विपक्ष पीछे हटने वाला नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि अलग-अलग दलों और संगठनों के प्रदर्शन को अलग-अलग नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि सभी का उद्देश्य एक ही है। तृणमूल कांग्रेस के



नेता डेरेक ओ ब्रायन ने भी विपक्षी एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक इस लड़ाई में एक साथ है और विपक्ष यह लड़ाई जीतेगा। उनके बयान से यह संकेत देने की कोशिश की गई कि कार्यक्रम टलने के बावजूद विपक्षी गठबंधन की रणनीति में कोई बदलाव नहीं आया है। करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि आज प्रस्तावित कार्यक्रम अब कल आयोजित किया जाएगा और इसमें समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सार्वजनिक महाभियोग का कार्यक्रम, जो शुक्रवार को यहां आयोजित होने वाला था, शहर के मौसम को देखते हुए टाल दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि अब यह सार्वजनिक महाभियोग 31 अक्तूबर को होने

की संभावना है। यह तारीख विपक्षी गठबंधन की रामलीला मैदान में होने वाली रैली से एक दिन पहले की है, जो मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और मतदाता सूची के %विशेष गहन पुनरीक्षण% (एसआईआर) के खिलाफ आयोजित की जा रही है। बता दें कि विपक्षी गठबंधन को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और तालकटोरा स्टेडियम जैसी अन्य जगहें नहीं मिल पाईं, जिसके बाद इस जगह (खरगे के आवास) को चुना गया था। गुरुवार को हुई इस तैयारी बैठक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा, जयराम रमेश और के.सी. वेणुगोपाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मीरा कुमार, टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन, समाजवादी पार्टी के हरेंद्र मलिक, जेएमएम की महुआ माजी और सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिट्टास समेत कई अन्य नेता शामिल हुए थे।

संपादकीय Editorial

The Politics of 'Foreign Conspiracies'

The phrase 'conspiracy by foreign powers' has become a political cliché. It's not just prevalent in today's politics; Indira Gandhi, during her tenure as Prime Minister, labeled Jayaprakash Narayan and Morarji Desai as 'CIA agents.' When Jawaharlal Nehru was Prime Minister, even socialist leaders like Ram Manohar Lohia were labeled 'foreign agents.' There hasn't been a Prime Minister in India during whose tenure allegations of 'conspiracy and interference by foreign powers' have been leveled. Today, the ruling BJP is busy pinning this accusation on Leader of the Opposition (Lok Sabha), Rahul Gandhi. Statements have even been made that Rahul Gandhi travels abroad, meets with suspicious individuals, plots with them, and then returns to India to implement an anti-national agenda. This politics, which is issueless, indifferent to civic problems and crises, should not be acceptable to the country. Prime Minister Modi has gone a step further in this regard. He didn't name the Leader of the Opposition, but he stated from a public platform that some people are bent on ruining the country's reputation by launching a "failed product." The Prime Minister once again labeled the Congress party "parasitic" and said that party members are troubled and unhappy by a single family within the Congress party. When Congress leaders meet in private, they express their pain and injustice. After all, how many times will the same "failed product" be launched? Even Sriharikota doesn't have as many launches as a single person in the Congress party has. Of course, Prime Minister Modi didn't name names, but the world knows who that family and face in the Congress party is, and who is being called a "failed product." No Prime Minister has ever used such words for the Leader of the Opposition. Rahul Gandhi's politics is being described as "chaotic," "unruly," and "sabotage." The question is, if Rahul Gandhi is involved in anti-national conspiracies and activities, then a criminal case should be filed against him and he should be imprisoned. The court will decide the legal consequences. An example of chaotic politics will be etched in history when, in March 1974, young leaders of the then Jan Sangh—Sushil Modi and Ravi Shankar Prasad—led an attempt to surround the Raj Bhavan in Bihar. The Chief Minister's convoy was surrounded, an attempt was made to set the Assembly building on fire, and the Assembly Secretary's residence and office were also surrounded and vandalized. This kind of politics disrupted public life. Jayaprakash Narayan refused to recognize those attempts, the so-called movement, or protests as a "revolution." We want to ask you, weren't those street protests "chaotic"? Today, Ravi Shankar Prasad is a senior BJP leader and former Union Minister. Sushil Modi is deceased. If that politics wasn't chaotic and tumultuous, then Rahul Gandhi, by and large, didn't attempt, call for, or conspire to set fire to any government residence or building. He did enter Akashvani Bhavan during the street march, but instead sat on a dharna under a tree. However, we consider that an "illegal breach." Spokespersons for the BJP and the Modi government have yet to clarify who was involved in the "foreign conspiracy," and who provided how much funding. The name of George Soros is constantly repeated. The world knows that he is ideologically opposed to India.

The American public is facing a moment of significant decision.

The key question in the midterm elections is whether the American people will strive to save their country from the ongoing decline under Donald Trump. The dangers of Trump's policies on education and research are detrimental to America. Underestimating the contributions of immigrants is detrimental to democratic norms and the disruption of the global order is worrying. The US midterm elections are being discussed worldwide. It is believed that rising inflation and the increasing cost of living will be key issues in these elections. However, more than these concerns and challenges related to daily life, the principles and strategies of the American nation-state that have made America a global leader over generations will be at stake. In this regard, these midterm elections are poised to be a potential turning point. In this context, it is important to consider the aspects that underpin America's rise, expansion of power, and its indomitable will to survive. The first point in this regard is education and research. America laid a strong foundation for a comprehensive public education system as early as the 19th century. It was on this foundation that the world's finest universities and research centers, considered national treasures, emerged. These institutions, through their capabilities, gave America a decisive edge in global economic competition. Despite this, President Trump, with the tacit support of Republican lawmakers in the US Congress, is bent on dismantling the entire education system. Trump is attempting to dismantle the Department of Education, cut student financial aid, and slash the budgets of top institutions like the National Science Foundation and the National Institutes of Health. His aggressive stance against top American educational institutions is a major alarm. He is attempting to marginalize these institutions by withholding funding, eliminating tax breaks, and tightening admissions rules for foreign students. Experts consider these steps suicidal for America. Immigrants have played a crucial role in making America great, but Trump is bent on creating obstacles in their path. In every era, immigrants from all corners of the world have enriched America. Most of them came here struggling to make ends meet and without knowing English, but within just one generation, through their hard work, they raised their socio-economic status. My own father came to the United States in 1952 under similar circumstances. If America is a leader in knowledge and technology today, a major reason for this is our success in attracting the world's best talents and hardworking people. This trend is weakening during the Trump era. The number of foreign students coming to the United States is steadily declining. A key pillar that has made America a leading nation has been the unwritten democratic norms and established traditions that have governed politics, economics, and society. Before Trump's rise, I believed that law and the Constitution were America's primary safeguards. However, the way Trump has defied Parliament and the courts and acted arbitrarily has forced me to conclude that a foundation of moral traditions is equally essential for the survival of democracy and economic stability. The basic code of conduct here is that the president will accept the verdict of the public, refrain from engaging in vendetta politics against rivals, and refrain from launching irresponsible trade wars against everyone over trivial matters. Trump has also crossed all boundaries for personal gain. His greed seems to know no bounds. In his first year back in office, Trump earned nearly \$2.2 billion, most of which came from his family's crypto-ventures. In fact, he reportedly earned more than \$6 million daily. The news of Amazon allegedly paying \$40 million for the exhibition rights to Melania Trump's documentary reminded me of events in Indonesia at the turn of the last century, when the president's wife, Madam Tien, became infamous as "Madame Ten Percent" due to her hefty commissions. The disturbing sequence of arrogance, authoritarian power, and unethical scandals currently emerging from the White House is only undermining the administration, civil society, and the economy. I've spent a significant portion of my journalistic career reporting on numerous second-rate dictators, so this isn't unfamiliar to me, but to see it unfold in my own country is heartbreaking and deeply painful. Trump has also dismantled the rules-based global order that the United States created after World War II for its own benefit and that of the global community. The very purpose of this system was to ensure peace, free trade, economic prosperity, and public health for the entire world. This policy destruction has directly benefited from lax pandemic prevention, hunger and poverty, and rulers like Putin. Imagine what would have happened if during World War II, US President Franklin Roosevelt had stabbed his most trusted ally, Britain, in the back and joined Hitler's camp? Trump's ploy of turning his back on Ukraine and siding with Russia is one such example. It appears that Trump's stature is yet to plummet. In this way, these are the real challenges at stake in the electoral arena. Will we quietly accept defeat or will we strive to rescue our nation from this decline and bring it back on track?

Congress in the grip of leftists

Rahul Gandhi's policies, surrounded by leftists, are about to free the Congress from its image as a centrist party. Congress is shifting from a centrist identity to a leftist ideology. The growing influence of leftist leaders around Rahul Gandhi. The left has a strong influence on the party's policies and working style. India's first Prime Minister, Nehru, was influenced by both leftism and socialism, but he maintained the Congress Party's image as a centrist party, which is why it enjoyed a strong support base across all sections of society. Indira Gandhi also chose to follow the middle path. It is a different matter that at one point, she allied with the leftists to retain power. In return, she handed over education and academic institutions to the leftists, but she knew that Congress's strength lay in remaining a centrist party. After Indira Gandhi, Rajiv Gandhi also tried to keep the Congress on the middle path, but some of his close associates were leftists. Narasimha Rao had to seek the support of the Left parties to keep his minority government running, but he did not succumb to their influence and pressure, thus enabling him to implement economic reforms that transformed the country. Manmohan Singh also had to seek the support of the Left parties, but he did not succumb to their pressure beyond a certain limit. He did not care about the Left parties' opposition to the nuclear deal with the US. However, during this period, the Left dominated the National Advisory Council, known as the "super government" of Congress President Sonia Gandhi. This council included left-leaning figures like Jean Dreze, Harsh Mander, and Aruna Roy, and many of the Manmohan Singh government's policies were shaped under their influence. When Rahul Gandhi assumed the reins of the Congress party, both officially and unofficially, he initially sided with young second-generation Congress leaders, but one by one they left him. Left-leaning leaders began to replace them. Prashant Bhushan, the extreme leftist who, along with Yogendra Yadav, who emerged as an activist, spared no effort to dismantle the Congress party during the Anna movement, is now one of Rahul's key allies. This same Yogendra Yadav once said that the Congress should die. In recent years, the gathering of left-leaning leaders around Rahul has increased, and so has their influence within the Congress. Left-wing student leader Kanhaiya Kumar has been in the Congress for a long time, but he currently appears to be on the sidelines. His replacement appears to be Neha Bora. Neha played a significant role in the protests Rahul organized recently as part of his vote-stealing campaign. Neha also actively participated in the protests organized by the Cockroach Janata Party. Rahul is also seeking to bring this left-leaning group closer. Rahul specifically gave Neha and Prashant Bhushan a chance to speak at his press conference. This suggests that he doesn't trust his student organization leaders as much as he trusts the left-leaning student leader Neha. While Kanhaiya was a leader of the CPI's student wing, Neha is the president of the leftist student organization AISA. This organization is affiliated with the CPI (Marxist-Leninist) Liberation.

173 करोड़ के फर्जी कारोबार पर 31.36 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी, छह फर्मों पर कार्रवाई

राज्य कर विभाग ने मुरादाबाद और गाजियाबाद की छह फर्मों द्वारा 173 करोड़ के फर्जी कारोबार पर 31.36 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी है।मुरादाबाद गाजियाबाद में 31.36 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी।बोगस फर्मों और फर्जी बिलिंग से इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया गया। राज्य कर विभाग ने छह फर्मों पर कार्रवाई शुरू की।जीएसटी चोरी के लिए बोगस फर्मों के जरिये फर्जी बिलिंग और बिना वास्तविक



माल की आपूर्ति दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) हासिल करने का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की

विशेष अनुसंधान शाखा (एसआइबी) ने मुरादाबाद और गाजियाबाद की छह फर्मों की जांच में कुल 173 करोड़ रुपये

के कारोबार पर 31.36 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी है। एडिशनल कमिशनर ग्रेड-2 गाजियाबाद, सीजीएसटी कमिशनर मेरठ और देहरादून को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। इसके बाद गाजियाबाद में भी छापेमारी की कार्रवाई शुरू हो गई है। गाजियाबाद की फर्म एएम ट्रेडर्स, हिंडन एंटरप्राइजेज और एमए इंडिया स्टील ट्रेडर्स के खिलाफ जांच जीएसटी एसएसओ प्राइम पर एचएसएन के आधार पर ई-वे बिलों की

पड़ताल से शुरू हुई। तीनों का पंजीकृत पता एक है। एएम ट्रेडर्स ने 11.43 करोड़, हिंडन एंटरप्राइजेज ने 43.88 करोड़ और एमए इंडिया स्टील ट्रेडर्स ने 35.23 करोड़ रुपये की सप्लाई दिखाई। तीनों फर्मों ने 90.54 करोड़ की आयरन स्कैप सप्लाई दिखाकर 16.29 करोड़ की कर चोरी की। इसी प्रकार मुरादाबाद के ग्लोबल मेटल उद्योग की ओर से 50.07 करोड़ रुपये की सप्लाई दिखाई गई। इस पर 18 प्रतिशत की दर से 9.01 करोड़

रुपये की कर देयता बनती थी, जबकि इसके सापेक्ष फर्म ने केवल 13.76 लाख रुपये नकद कर जमा किया। इसी तरह आलम हैंडीक्राफ्ट और नईम इंटरप्राइजेज की ओर से 12.08 करोड़ और 21.68 करोड़ रुपये की सप्लाई दर्शाई गई। तीनों फर्मों पर 15.07 करोड़ की कर चोरी का मामला सामने आया। अपर आयुक्त ग्रेड-2 (एसआइबी) आरए सेठ ने कहा कि कर चोरी में संलिप्त फर्मों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी का शादी से इनकार करने पर युवती ने दे दी जान, युवक समेत पांच के खिलाफ केस

युवक के शादी बनने से मना करने पर युवती ने जान दे दी। पुलिस ने आरोपी युवक के समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। शादी से इन्कार करने से आहत नया गांव गागन निवासी युवती ने मूंढापांडे के गांव पैपटपुरा निवासी प्रेमी के घर ही जहर खाकर आत्महत्या कर ली। युवती की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक समेत परिवार के पांच लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मझोला थाना क्षेत्र के नया गांव गागन निवासी गीता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी बेटी शिवानी की शादी करीब दस साल पहले मूंढापांडे थानाक्षेत्र के पैपटपुरा गांव निवासी रवि के साथ की थी।पांच साल पहले दामाद रवि और समधन नन्ही की बीमारी से मौत के बाद बेटी अकेली हो गई, जिस पर उसकी छोटी बेटी कविता (18) अपनी बहन के घर रहने लगी थी। बताया कि समधन की देवरानी सुमंत्रा के बेटे अमित (23) से छोटी बेटी के प्रेम संबंध हो गए।जानकारी होने पर दोनों परिवार कविता और अमित की शादी करने के लिए राजी हो गए थे। बताया कि 24 अक्तूबर को प्रेमी अमित ने फोन पर शादी करने की बात कहकर बेटी को अपने घर बुला लिया। पैपटपुरा पहुंचने पर अमित और उसके परिजनों ने शादी से इन्कार कर दिया। प्रेमी के शादी से इन्कार करने से आहत बेटी ने वहीं पर सल्फास खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। आरोप है कि हालत बिगड़ने पर प्रेमी और उसके परिजन बेटी को उपचार दिलाने के बजाय वीडियो बनाने में लग गए, जिससे कुछ देर बाद बेटी ने दम तोड़ दिया।मृतका की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी प्रेमी अमित, पिता आनंद, मां सुमंत्रा, बहन रजनी और भाई सुमित के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। -वरुण कुमार, सीओ हाईवे

डाकघर जाने का झंझट खत्म! अब घर बैठे खोलें नई पॉलिसी और जमा करें प्रीमियम, नवंबर से शुरू होगी सर्विस

डाक विभाग मुरादाबाद में नवंबर के पहले सप्ताह से डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) सेवाओं को डिजिटल कर रहा है।डाकघर से जीवन बीमा कराने वाले जिले के ग्राहकों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। डाक विभाग डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) की सेवाओं को डिजिटल करने जा रहा है। मुरादाबाद में नवंबर के पहले सप्ताह से नई व्यवस्था शुरू हो जाएगी। इसके लिए डाक विभाग के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्राहकों को बीमा से जुड़े कई कामों के लिए डाकघर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे घर बैठे आनलाइन माध्यम से नई पालिसी के लिए आवेदन करने और प्रीमियम जमा करने जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।नई व्यवस्था के तहत ग्राहक कस्टमर पोर्टल के माध्यम से बीमा संबंधी काम कर सकेंगे। वहीं डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के एजेंटों के लिए अलग पोर्टल की सुविधा होगी। इसके जरिये एजेंट नई पालिसी खोलने और प्रीमियम जमा करने की प्रक्रिया आनलाइन पूरी कर सकेंगे। इससे ग्राहकों और एजेंटों का समय बचेगा। साथ ही कागजी कार्यवाही कम होने से बीमा सेवाओं का संचालन भी आसान होगा। पुरानी प्रणाली की जगह लेगा नया साफ्टवेयर- डाक विभाग बीमा सेवाओं के संचालन में इस्तेमाल होने वाली पुरानी एमकैमिश प्रणाली की जगह नई इंश्योरेंस मैनेजमेंट सॉल्यूशन (आइएमएस) प्रणाली लागू कर रहा है। इसके लिए विभाग ने नया साफ्टवेयर विकसित किया है। नई प्रणाली का उद्देश्य बीमा संबंधी कामकाज को सरल, सुरक्षित और प्रभावी बनाना है। मुरादाबाद में इसके लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नवंबर के पहले सप्ताह से डाक जीवन बीमा की सेवाएं आनलाइन शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे ग्राहकों को घर बैठे नई पालिसी खोलने और प्रीमियम जमा करने की सुविधा मिलेगी। - गय्यूर अहमद खान, सीनियर पोस्टमास्टर, मुरादाबाद ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslsive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

तेंदुओं के खौफ ने बदला खेती का तरीका! जान बचाने को कंबाइन मशीन का सहारा ले रहे किसान

तेंदुओं के खौफ से मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में किसानों ने खेती का तरीका बदल दिया है। जान बचाने के लिए छोटे किसान भी महंगे कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग कर रहे हैं, जिससे लागत बढ़ रही है और पशुओं के चारे की समस्या भी खड़ी हो रही है।150 गांवों तक तेंदुओं का खौफ, ठाकुरद्वारा के 50 से अधिक गांवों में दहशतधान खेतों में पककर तैयार है, लेकिन तेंदुओं के खौफ के कारण किसानों के कदम खेतों तक जाने से पहले ही ठिठक रहे हैं।

गन्ने की ऊंची फसल और झाड़ियों में छिपे तेंदुओं के खौफ ने खेती का तरीका बदल दिया है। जिले के करीब 150 गांव में तेंदुए का खौफ है लेकिन, ठाकुरद्वारा क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों में दहशत के बीच अब छोटे किसान भी किराये पर कंबाइन मशीन लेकर धान कटवा रहे हैं ताकि गन्ने के खेतों में घर बनाए बैठे तेंदुए के खतरे से बचा जा सके।जिले के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में रामगंगा नदी के किनारे बसे से 50 से अधिक गांवों में तेंदुओं की गतिविधियों

की सूचनाएं सामने आ चुकी हैं। तेंदुओं इसी साल चार लोगों की जान ले ली है। दो दर्जन से अधिक लोगों पर हमला करके घायल होने की घटनाओं ने चिंता बढ़ाई है। गन्ने के खेत और झाड़ियों तेंदुओं के छिपने का ठिकाना बने हुए हैं। वन विभाग के अभियान के बावजूद ग्रामीणों को खेतों में जाने से पहले आसपास नजर दौड़ानी पड़ रही है। आलमगीरपुर गांव के किसान शीशपाल सिंह, लालापुर पीपलसाना के प्रदीप कुमार और रोहित कुमार का कहना है कि

खेत पर जाने से डर लगता है। तेंदुओं के हमलों ने किसानों को डरा दिया है। महफूज चौधरी का कहना है कि धान की हाथ से कटाई में कई घंटे खेत में बिताने पड़ते हैं। ऊंची फसल और झाड़ियों में छिपे तेंदुए के अचानक सामने आने का डर बना रहता है। ऐसे में कंबाइन मशीन से कटाई कराकर वे खेत में रुकने का समय कम कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि फसल काटने से ज्यादा चिंता अब सुरक्षित घर लौटने की है। सुरक्षा की कीमत चुका रहे छोटे

किसान- कंबाइन मशीन से कटाई करने पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह बोझ कम नहीं है, लेकिन जान का खतरा देखते हुए वे मजबूरी में मशीन का सहारा ले रहे हैं। हाथ से कटाई में मिलने वाली धान की पुआल पशुओं के चारे के काम आती है। कंबाइन से कटाई के बाद पुआल खेत में बिखर जाती है और उसे समेटना कठिन हो सकता है। ऐसे में कटाई का खर्च बढ़ने के साथ पशुओं के चारे का इंतजाम

भी महंगा पड़ेगा। किसान रईस चौधरी ने बताया कि कंबाइन एक एकड़ जमीन का धान काटने के लिए दो हजार रुपये तक लेती है। वन विभाग अब तक 26 तेंदुओं को पकड़ चुका है। खादर क्षेत्र के जंगलों और संवेदनशील स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। ग्रामीणों से अपील है कि खेतों में अकेले न जाएं और तेंदुआ दिखाई देने पर वन विभाग को तत्काल सूचना दें। विभाग लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है। - आदर्श कुमार, वन संरक्षक, मुरादाबाद मंडल

जौहर विश्वविद्यालय के भवन बनाने को दोगुनी कीमत पर दिए गए ठेके , आजम खां के प्रभाव में सारे नियम टूटते रहे

रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय के भवन बनाने के लिए दोगुनी कीमत पर ठेके दिए गए थे। आजम खां के प्रभाव में सरकार ने विश्वविद्यालय के भवनों को बनवाया था। सारे नियमों को धता बताते रहे। ठेकेदार सरकारी रकम से चंदा देते रहे।सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री आजम खां का रसूख कुछ ऐसा था कि जौहर विश्वविद्यालय में सरकारी रकम से भवनों के निर्माण के ठेके दोगुनी कीमत पर दिए जाते रहे। इतना ही नहीं, इन भवनों के निर्माण में सारे नियम-कानून धता बताकर रामपुर शहर में होने वाले अन्य विकास कार्यों की निर्माण सामग्री जौहर विश्वविद्यालय के भवनों को बनाने में खपाई गई। जो अफसर इन गड़बड़ियों पर आंख मूंदे रहे, उन पर कार्रवाई नहीं हुई है। ईंडी ने भी विश्वविद्यालय के भवनों को जब्त तो किया लेकिन असली गुनहगारों को चिन्हित नहीं कर पाई। ईंडी की जांच में सामने आया कि रामपुर के कई ठेकेदारों ने सरकारी ठेकों के निधि और निर्माण सामग्री को विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में लगाया। एक कंपनी के प्रबंध निदेशक ने पूछताछ में कबूला कि 186 करोड़ रुपये के ठेकों का 30 से 40 फीसदी हिस्सा विश्वविद्यालय के लिए इस्तेमाल हुआ। एक अन्य संस्थान ने आजम खां के प्रभाव में ट्रस्ट को 40 लाख रुपये दान किए थे। आयकर विभाग की जांच में



भी इसी तरह के तथ्य पाए गए थे, जिसके आधार पर ट्रस्ट का पंजीकरण रद्द कर दिया गया था। विश्वविद्यालय परिसर में विधायक निधि से भी 6.60 करोड़ रुपये के कार्य कराए गए थे। ईंडी के मुताबिक, ये कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए गए थे, जिसके अध्यक्ष उस समय आजम खां थे। ट्रस्ट की मेरठ की दो शैक्षणिक संस्थाओं से 6.24 करोड़ रुपये का चंदा भी मिला था जो भाजपा नेता सरोजनी अग्रवाल की बताई जाती हैं। तब वह सपा में थीं।सार्वजनिक संपत्ति ट्रस्ट को दी जांच में पता चला कि सपा सरकार में विश्वविद्यालय परिसर में एक पंडाल, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए छात्रावास और एक अस्पताल के निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके लिए 23.41 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। वर्ष 2015 में जारी एक सरकारी आदेश में पंडाल के लिए 12.16 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, जिसमें स्वामित्व संस्कृति विभाग के पास रहने और मुफ्त सरकारी इस्तेमाल की शर्त थी। हालांकि, 2016 के एक आदेश में शर्तों को बदल दिया गया और पंडाल का स्वामित्व विश्वविद्यालय को सौंप दिया

गया। राज्य सरकार द्वारा इसके इस्तेमाल की शर्त हटा दी गई। इस तरह सरकारी निधि से बनी सार्वजनिक संपत्ति को विश्वविद्यालय की निजी संपत्ति में बदल दिया गया। तब शहरी विकास विभाग आजम के पास था। निर्णायक प्राधिकारी करेगा अंतिम निर्णय- ईंडी द्वारा विश्वविद्यालय के भवनों को जब्त करने के बाद यह प्रकरण नई दिल्ली स्थित निर्णायक प्राधिकरण (एडजूके टिंग अथॉरिटी) के पास जाएगा। वह छह माह के भीतर ईंडी के जब्तीकरण के फैसले पर अंतिम निर्णय देगा। फैसला ईंडी के पक्ष में आने पर जब्त संपत्तियां सरकारी हो जाएंगी। हालांकि विश्वविद्यालय के संचालन को लेकर आगे का निर्णय सरकार द्वारा लिया जा सकता है। सरकार द्वारा जब्त भवनों पर कब्जा लेने से पठन-पाठन प्रभावित नहीं होगा। फीस से सरकारी राजस्व के नुकसान की भरपाई की जा सकती है। बता दें कि इससे पहले ईंडी ने सहारनपुर के खनन माफिया एवं पूर्व बसपा एमएलसी हाजी इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी को भी जब्त किया था जिसकी कीमत करीब 4500

करोड़ रुपये थी। इसके अलावा राजधानी में छात्रवृत्ति घोटाले में हाइजिया ग्रुप के भवनों को भी ईंडी जब्त कर चुका है। 13 अक्तूबर की एफआईआर के बाद से जताई जा रही थी जब्तीकरण की आशंका- जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों को जब्त करने के तैयारी तो उसी समय लिख गई थी, जब 13 अक्तूबर की रात को ईंडी ने अजीमनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद से ही भवनों के जब्तीकरण की आशंका जताई जा रही थी जो अब सच साबित हुआ है। ईंडी ने रामपुर के अजीमनगर थाने में दर्ज 27 प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की थी। इनमें विश्वविद्यालय के लिए किसानों की कृषि भूमि पर जबरन कब्जा करने के आरोप लगाए गए थे। बाद में जांच का दायरा जमीन के साथ ही भवनों के निर्माण में इस्तेमाल धन और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन तक पहुंचा। ईंडी ने हाल ही में ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापे भी मोरे थे। जांच एजेंसी की कार्रवाई से विश्वविद्यालय की संपत्तियों और उनके निर्माण में इस्तेमाल धन के स्रोत का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। करीब सात साल तक चली जांच के बाद की गई जब्ती की कार्रवाई में अब संपत्तियों के स्वामित्व के साथ-साथ उनके निर्माण और वित्तपोषण से जुड़े सवाल भी अहम हो गए हैं।

ईंडी के मुताबिक, सरकारी काम पाने वाले ठेकेदारों से प्राप्त धनराशि को दान के रूप में ट्रस्ट तक भेजे जाने की बात सामने आई। आजम से आठ घंटे की पूछताछ के बाद कराई थी एफआईआर। सरकारी धन का इस्तेमाल जौहर यूनिवर्सिटी में कर दुरुपयोग करने के मामले में ईंडी ने चार अक्तूबर को रामपुर पहुंचकर यहां पर जेल में बंद सपा नेता आजम खां से पूछताछ की थी। इसके बाद ईंडी ने अजीमनगर थाने में सपा नेता आजम खां व जौहर ट्रस्ट के खिलाफ भ्रष्टाचार की धाराओं में मामला दर्ज कराया था। इस कार्रवाई के एक पखवाड़े बाद अब जब्तीकरण की कार्रवाई की गई है। ईंडी की कार्रवाई की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिल रही है। आधिकारिक तौर पर कोई सूचना नहीं आई है। सूचना के बाद ही आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।-अजय सागर, जिलाध्यक्ष सपा प्रमुख घटनाक्रम- 2013-2017 ईंडी के आरोपों के अनुसार इस अवधि में सरकारी ठेकों और सार्वजनिक धन के विश्वविद्यालय निर्माण में इस्तेमाल की पड़ताल की गई। प्रारंभिक जांच अजीमनगर थाने में किसानों की कृषि भूमि पर कथित कब्जे से जुड़ी 27 प्राथमिकियों के आधार पर ईंडी ने जांच शुरू की। 12 मई 2022 ईंडी ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और कथित शत्रु संपत्ति की पैमाइश की गई। 10

नवंबर 2023 जिला मूल्यांकन अधिकारी की रिपोर्ट में परिसर की 59 इमारतों की निर्माण लागत 494.46 करोड़ रुपये आंकी गई। 19 अगस्त 2026 ईंडी ने विश्वविद्यालय और उससे जुड़े परिसरों पर तलाशी ली। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज जब्त किए गए। 13 अक्तूबर 2026 ईंडी ने रामपुर जेल में आजम खां से करीब आठ घंटे पूछताछ की। 13 अक्तूबर 2026 आजम खां व जौहर ट्रस्ट और अन्य के खिलाफ अजीमनगर थाने में नई प्राथमिकी दर्ज हुई। 22 अक्तूबर 2026 आजम खां के करीबी सालिम से ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन और चंदे के संबंध में करीब आठ घंटे पूछताछ हुई। 28 अक्तूबर ईंडी ने विश्वविद्यालय की जमीन और भवनों को अस्थायी रूप से जब्त किया। संपत्तियों का कथित अपराध से अर्जित मूल्य 426.46 करोड़ और वर्तमान बाजार मूल्य करीब 1170 करोड़ रुपये बताया गया।जौहर यूनिवर्सिटी को बनाने में काले धन का इस्तेमाल किया गया है। सपा नेता आजम खां ने यह यूनिवर्सिटी शिक्षा के लिए नहीं बल्कि अपने निजी फायदे के लिए बनाई। ईंडी ने लंबी चौड़ी जांच के बाद जब्तीकरण की कार्रवाई की है। यह एक बड़ा कदम है। आजम शिक्षा के नाम पर इस यूनिवर्सिटी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर रहे थे। आकाश सक्सेना, शहर विधायक एवं शिकायतकर्ता

आज से सजेगा रोटरी क्लब का दिवाली मेला , मिलेंगे कई आकर्षण

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । बरेली क्लब मैदान में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रोटरी क्लब ऑफ बरेली चैरिटेबल ट्रस्ट का 63वां महान दिवाली मेला आयोजित होगा। तीन दिन तक चलने वाले मेले में खरीदारी, खानपान और मनोरंजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम रहेगी। प्रेसवार्ता में चीफ क्लब ट्रेनर डॉ. एके चौहान ने बताया कि 62 वर्षों से यह मेला शहर की पहचान बना हुआ है। अध्यक्ष राहुल जायसवाल ने कहा कि मेले के जरिये लोगों को स्थानीय उत्पादों और व्यापार से जुड़ी नई जानकारीयां मिलेंगी। मेला डायरेक्टर सीए अमित मनोहर ने बताया कि इस बार आदि योगी थीम पर भव्य मंदिर तैयार किया जा रहा है। पहली बार ओकटा एलिबेटर्स के जरिये लोगों को ऊंचाई से



एरियल अनुभव भी मिलेगा। मेले में तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, म्यूजिकल नाइट और आतिशबाजी होगी। किड्स जोन, मीना बाजार और विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल भी सजेंगे। इसके अलावा बेबी शो, फैसी ड्रेस, गोल्डन कपल, मेला क्वीन और ब्यूटीफुल आइज जैसी प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी

आत्म सरन अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अरविंद भटनागर, प्रधीर गुप्ता, मोहन गुप्ता, अरविंद गुप्ता, मनोज गिरी, सीए हर्षित अग्रवाल, अनंत अग्रवाल, शलभ गोयल, सुधांशु शर्मा, संजीव अवतार अग्रवाल, मयूर अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, अनुपम अग्रवाल, हरिओम गुप्ता, एपी गोयल, दीपक मंगल और शांतनु जौहरी आदि मौजूद रहे।

पीईटी परीक्षा , रेलवे स्टेशन पर उमड़ी भीड़ , अभ्यर्थियों के हुजूम के चलते सीट के लिए रही मारामारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । बरेली। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) देकर लौट रहे अभ्यर्थियों की भीड़ से शुक्रवार को रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। दोपहर में त्रिवेणी एक्सप्रेस के पहुंचते ही ट्रेन में सवार होने के लिए अभ्यर्थियों में होड़ मच गई। सीट पर कब्जा जमाने के लिए अभ्यर्थी एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करते नजर आए। इस दौरान ट्रेन में सीट पाने के लिए काफी मारामारी रही। भीड़ के चलते सामान्य यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार



दोपहर करीब साढ़े 12 बजे त्रिवेणी एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही अभ्यर्थियों का हुजूम कोचों की ओर दौड़ पड़ा। जनरल कोच में पहले से ही यात्रियों की भीड़ थी। ऐसे में अभ्यर्थियों के पहुंचने से स्थिति और भीड़भाड़ वाली हो गई।

सामान्य यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में दिक्कत हुई। पीईटी को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा कर्मी भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को सुरक्षित आवागमन कराने में जुटे रहे।

करैरा में तीन साल के भीतर बनेगा बागेश्वर धाम का मठ : पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

@ क्यूँ न लिखूँ सच

करैरा (शिवपुरी)। नगर के बगीचा धाम-श्रीराम राजा धाम में आयोजित श्रीराम कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के समापन अवसर पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने करैरा में बागेश्वर धाम का मठ स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों में मठ का निर्माण पूरा कराया जाएगा। इसके निर्माण की जिम्मेदारी पं. राजेश दुवे %भोला महाराज% को सौंपी गई।

इस अवसर पर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना उनका संकल्प है। उन्होंने करैरा में मिले प्रेम और श्रद्धा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगरवासियों से बगिया वाले हनुमान जी के मंदिर की बाउंड्री एवं भक्त आरक्षक की समाधि के निर्माण में सहयोग करने का आग्रह भी किया।

कथा के दौरान भगवान श्रीराम के धनुष भंग, परशुराम आगमन और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का प्रसंग सुनाया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह की तैयारियों का वर्णन करते हुए अयोध्या से मिथिला पहुंची बारात का भावपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किया गया। राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विवाह प्रसंग को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ

◆ श्रीराम कथा के समापन पर की घोषणा, श्रीराम-सीता विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर, गुरु दीक्षा एवं विभूति वितरण के साथ हुआ विशाल भंडारा



प्रतीकात्मक रूप से संपन्न कराया गया। भजन-कीर्तन और संगीतमय प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। श्रीरामचरितमानस की आरती के साथ कथा का समापन हुआ।

आयोजन के अंतर्गत सुबह 9 बजे श्रीराम राजा होटल में श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा प्रदान की गई। वहीं आयोजकों के अनुसार, करैरा में पहली बार

बागेश्वर धाम में सवा लाख हनुमान पाठ से सिद्ध विभूति का हजारों श्रद्धालुओं को वितरण किया गया।

कथा के समापन पर बगीचा धाम-श्रीराम राजा धाम परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं एवं नागरिकों ने प्रसादी ग्रहण की। धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

1 नवंबर को निकलेगी भगवान श्री चित्रगुप्त जी की भव्य शोभायात्रा , 19वें वर्ष भी दिखेगा सनातन वैभव

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । सृष्टि में न्याय के अधिष्ठाता भगवान श्री चित्रगुप्त जी की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा 1 नवंबर (रविवार) को धूमधाम से निकाली जाएगी। कायस्थ चेतना मंच द्वारा सिविल लाइन्स स्थित होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई। मंच के अध्यक्ष संजय सक्सेना ने बताया कि संस्था पिछले 19 वर्षों से लगातार इस ऐतिहासिक शोभायात्रा का आयोजन कर रही है। यात्रा सायं 4 बजे श्री त्रिवेदीनाथ मंदिर परिसर से शुरू होकर सायं 7 बजे गुदड़बाग मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। शोभायात्रा में सनातन परंपरा के अनुरूप विभिन्न देवी-देवताओं के दिव्य स्वरूप और सुंदर झांकियां सजेंगी। संस्था के

BJP के षड्यंत्रों पर भारी पड़ेगा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश , दिल्ली महारैली को लेकर बरेली में हुंकार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । चौपला रोड स्थित रोटरी भवन में शुक्रवार को जिला एवं महानगर कांग्रेस कमिटी की संयुक्त बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त रूप से जिलाध्यक्ष असफाक सकलैनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दहा ने की। बैठक का संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद AICC पर्यवेक्षक तरुण त्यागी ने भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि महारैली को रोकने के लिए सरकार चाहे जितने षड्यंत्र रच ले या व्यापारियों को बरगला ले, लोकतंत्र की आवाज दबेगी

पिछोर में कृषि विभाग ने खेतों पर पहुंचकर देखीं खेती की गतिविधियां, किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके अपनाने की सलाह

@ क्यूँ न लिखूँ सच

शिवपुरी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य ने पिछोर विकासखंड के ग्राम भौंती एवं वाचरौन में किसानों के खेतों और कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जैविक खेती, उद्यानिकी फसलों, कृषि प्रसंस्करण इकाइयों और आधुनिक कृषि तकनीकों का अवलोकन कर किसानों को आय बढ़ाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम भौंती में कृषक रामगोपाल गुप्ता के खेत पर अमरूद, आंवला सहित अन्य उद्यानिकी फसलों के उत्पादन, जैविक खेती पद्धति एवं वर्मीकम्पोस्ट निर्माण की जानकारी ली। साथ ही उनके द्वारा संचालित मूंगफली प्रसंस्करण इकाई का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और जैविक उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

इसी क्रम में ग्राम वाचरौन में कृषक राजीव पाठक के फार्म का निरीक्षण किया गया। यहां फूलों की खेती, प्राकृतिक पद्धति से चना उत्पादन एवं कस्टम हायरिंग सेंटर की गतिविधियों का अवलोकन किया गया। रबी सीजन में डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके अपनाने की सलाह-

उप संचालक कृषि ने वर्ष 2026-27 के रबी मौसम को



संरक्षक डॉ. पवन सक्सेना ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी के दर्शन मात्र से कष्टों और पाप कर्मों का हरण होता है। इसमें कायस्थ समाज के साथ-साथ सर्वसमाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। महिला अध्यक्ष अनीता मुकेश एवं महामंत्री अमित सक्सेना बिंदु ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पदाधिकारियों ने समस्त

धर्मप्रेमी जनता से 1 नवंबर को सायं 4 बजे त्रिवेदीनाथ मंदिर पहुंचने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में वीरेन्द्र आर्या, निर्भय सक्सेना, प्रदीप मधवार, विजय सक्सेना, वी. के. सक्सेना, राजीव सक्सेना, चमन सक्सेना, अविनाश सक्सेना, ईशान ईशू, अनुराग भूषण, सुधांशु सक्सेना, प्रवेश वर्मा, स्वाति सक्सेना और छवि सक्सेना सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।



नहीं और कार्यकर्ता रैली को ऐतिहासिक बनाकर ही दम लेगे। जिलाध्यक्ष असफाक सकलैनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दहा ने रैली की रणनीति साझा करते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं और पूरी ताकत झोंकने का आह्वान किया।

बैठक में केके शर्मा, राजन उपाध्याय, इल्यास अंसारी, हाजी इस्लाम बब्बू, रफिया शबनम, उल्फत कटेरिया, अनुराग राठौड़ सहित दर्जनों वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने महारैली को ऐतिहासिक बनाने का संयुक्त संकल्प लिया।



उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य ने भौंती और वाचरौन में किया निरीक्षण , जैविक खेती , वर्मीकम्पोस्ट और फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने पर दिया जोर

देखते हुए जिले में उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को रबी फसलों की बोनी के लिए डीएपी के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरक एनपीके का उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि डीएपी से फसलों को मुख्य रूप से नत्रजन एवं फास्फोरस की पूर्ति होती है, जबकि एनपीके के विभिन्न ग्रेड जैसे 12-32=16, 16-16=16, 20-20=0=13, 10-26=26 एवं 14-35=14 से फसलों को आवश्यकतानुसार

नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर जैसे पोषक तत्व मिल सकते हैं। इससे फसल की उत्पादकता, उपज की गुणवत्ता और मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

इस अवसर पर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं शासन की विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सुलभ न्याय और योजनाओं का महासंगम, GIC ऑडिटोरियम में 1 नवंबर को सजेगा महाशिविर

बरेली।(ब्यूरो) । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में िज ल ा वि ि ध क स े व ा प्राधिकरण, बरेली द्वारा आगामी 1 न व ं ब र



(रविवार) को एक विशाल मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 10-00 बजे से जी.आई.सी. ऑडिटोरियम, बरेली में शुरू होगा। सभी प्रमुख विभाग होंगे शामिल शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के साथ-साथ सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाना है। इस महाशिविर में राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, समाज कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि तथा बैंक ऋण योजनाओं सहित 20 से अधिक विभाग एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे। जिला प्रशासन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस विशेष अवसर का लाभ उठाएं।

थाने में पुलिस ने कराई सुलह, करवाचौथ पर खिले प्यार के फूल, पति-पत्नी ने दूर किए शिकवे-गिले

बरेली।(ब्यूरो) । सीबीगंज थाने में पति-पत्नी के विवाद को मिशन शक्ति के तहत बीते दिवस करवाचौथ पर पुलिस ने खत्म करा दिया। दोनों ने एक-दूसरे की गुलाब का फूल भेंट कर सारे शिकवे गिले दूर किए और भविष्य में झगड़ा न

करने की शपथ ली। सीबीगंज थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि लेकर कॉलोनी निवासी स्वाति पत्नी सचिन ने अपने पति के खिलाफ शराब पीकर मारपीट करने का आरोप लगाकर तहरीर दी थी। झगड़े के बाद दोनों पति पत्नी अलग अलग रह रहे थे। बृहस्पतिवार को पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया फिर दोनों को समझा बुझाकर कर सुलह करा दी गई ।

सिंचाई संघ की नई कार्यकारिणी गठित , संदीप कुमार अध्यक्ष व ललित मिश्रा बने मंत्री

बरेली।(ब्यूरो) । सिंचाई संघ (उत्तर प्रदेश) की स्थानीय शाखा 'रुहेलाखंड नहर खंड बरेली' के द्विवार्षिक अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन हुआ। संदीप कुमार को अध्यक्ष और ललित कुमार मिश्रा को मंत्री चुना गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष का दायित्व नरेश प्रताप गंगवार, उपाध्यक्ष पद मो. नासिर हुसैन व रोहिताश कश्यप, कोषाध्यक्ष पद रामऔतार और संप्रेक्षक की जिम्मेदारी अरविन्द कुमार सिंह को सौंपी गई। संरक्षक मंडल में राम प्रकाश, संजय कुमार श्रोती, सत्यपाल, अजयपाल सिंह व कपिल कुमार को जगह मिली है। इसके साथ ही सलाहकार मंडल, संगठन मंत्री व मीडिया प्रभारी समेत अन्य प्रमुख पदों पर भी चयन पूरा कर नई टीम को संगठन विस्तार का जिम्मा सौंपा गया।

कल मुरादाबाद में लगेगा मेगा विधिक सहायता शिविर, ग्रामीण क्षेत्र में चलाया जागरूकता अभियान

बिलारी । जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन एवं तपस्या त्रिपाठी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरादाबाद के आदेश पर पहली नवंबर को पंचायत भवन कंपनी बाग मुरादाबाद में लगने वाले मेगा विधिक सहायता शिविर का ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है। क्षेत्र के सनाई और सफीलपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में पराविधिक स्वयं सेवक रिंकी , अदनान हुसैन, कानूनी सहायता समिति सदस्य आफ़ाक हुसैन, लेखपाल नार्जिया सुल्तान, ग्राम वासी मौजूद रहे ।



मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से 261 जोड़ों का हुआ विवाह, प्रति युगल 1 लाख रुपये के बजट से संवरी निर्धन बेटियों की गृहस्थी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

महर्षि दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज मुंडा पांडे में समाज कल्याण विभाग द्वारा गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ सर्ववर्ग सामूहिक विवाह समारोह – पारदर्शिता के साथ प्रति वधू 64 हजार रुपये बैंक खाते में अंतरित, 21 हजार का गृहस्थी सामान और 15 हजार व्यवस्थाओं पर हुए व्यय नवविवाहित युगलों ने जताया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार, बोले– %सरकारी संबल से मिला सम्मानजनक जीवन और उपहार उत्तर प्रदेश की संवेदनशील योगी सरकार के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए आज जनपद मुरादाबाद के मुंडा पांडे स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज में समाज कल्याण विभाग द्वारा 1%मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना% का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में विभिन्न वर्गों के कुल 261 निर्धन जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सामूहिक विवाह सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कुन्दरकी विधायक डा0 रामवीर सिंह, ब्लॉक प्रमुख मुंडापांडे डॉ0 नवीन यादव, ब्लॉक प्रमुख कुंदरकी हाजी गुलाम जिलानी, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, एडीएम



प्रशासन श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा वाजपेई सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुंचकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। प्रति युगल 1 लाख रुपये की आर्थिक संबलता= पारदर्शी डीबीटी व उपहार व्यवस्था= मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आर्थिक ढांचे को इस तरह तैयार किया गया है जिससे नवदंपति बिना किसी वित्तीय संकट के अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें। योजना में प्रति युगल स्वीकृत 1 लाख रुपये की कुल धनराशि में से 64,000 रुपये सीधे वधू के बैंक खाते में डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से भेजे जाते हैं। इसके साथ ही नई गृहस्थी जमाने के लिए 21,000 रुपये मूल्य के

आवश्यक वैवाहिक व दैनिक उपयोग के उपहार जोड़े को भेंट किए जाते हैं। वहीं, 15,000 रुपये प्रति जोड़े की दर से समारोह स्थल पर परिजनों व अतिथियों के खानपान, टेंट, मंडप और स्वागत-सत्कार की उच्चस्तरीय व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन की गरिमामयी सहभागिता समारोह स्थल पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अमले ने व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और नवदंपतियों को उपहार सौंपे। कुन्दरकी विधानसभा के विधायक डा0 रामवीर सिंह, मुंडापांडे ब्लॉक प्रमुख डॉ0 नवीन यादव, कुंदरकी ब्लॉक प्रमुख हाजी गुलाम जिलानी के साथ मुख्य विकास अधिकारी

सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, एडीएम प्रशासन श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने वर-वधू के ऊपर पुष्पवर्षा कर उन्हें सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि योगी सरकार का यह सामूहिक प्रयास समाज में दहेज जैसी कुप्रथा पर कड़ा प्रहार करने के साथ निर्धन परिवारों को कर्ज के बोझ से मुक्ति दिला रहा है। नवदंपतियों की जुबानी= सरकार के सहयोग से शुरू हुआ सुखद सफर विवाह बंधन में बंधे युगलों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ नजर आई। मिलक के रहने वाले कुणाल और उनकी पत्नी भूरी ने बताया कि कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते विवाह की चिंता सता रही थी, लेकिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह

योजना ने उनका विवाह इतने गरिमामयी मंच पर कराया और जरूरी सामान भी दिया, जिसके लिए वे मुख्यमंत्री जी के आभारी हैं। वहीं ग्राम व पोस्ट सरसखेड़ा के देवेन्द्र कुमार और उनकी जीवनसंगिनी आरती ने कहा कि इस योजना से उनका मान-सम्मान बढ़ा है और वे नई जिंदगी में कदम रख रहे हैं। मुरादाबाद निवासी नथू सिंह ने भी गृहस्थी का सामान मिलने और शानदार व्यवस्थाओं के बीच विवाह संपन्न होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से धन्यवाद किया। शिक्षा से कन्यादान तक= बेटियों के सशक्तिकरण का योगी विजन पूरे उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए एक रक्षा-कवच साबित हो रही है। यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की

उस दूरगामी सोच को दर्शाती है, जिसके केंद्र में प्रदेश की बेटियां हैं। सरकार जन्म से लेकर उनकी पढ़ाई-लिखाई, सुरक्षा और फिर कन्यादान तक हर पड़ाव पर अभिभावक बनकर खड़ी है। बेटियों के कल्याण के प्रति इस संवेदनशील नीति के चलते आज राज्य के हर कोने में निर्धन कन्याओं का विवाह पूरे स्वाभिमान और सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ संभव हो रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप महर्षि दयानंद सरस्वती लॉ कॉलेज में समस्त वर्गों के 261 जोड़ों का सामूहिक विवाह पूर्ण शुचिता व भव्यता के साथ संपन्न कराया गया है। यह योजना निर्धन परिवारों की बेटियों को आत्मनिर्भर व सुरक्षित भविष्य देने का सशक्त माध्यम है। – प्रज्ञा वाजपेई, जिला समाज कल्याण अधिकारी

महर्षि दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि मनाई, वैदिक संस्कृति के महत्व पर डाला प्रकाश

@ क्यूँ न लिखूँ सच

समोदिया रामपुर । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती, पिलखुवा-हापुड़ के ग्रामीण शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि मनाई गई। वंदना सभा के पश्चात विद्यालय परिसर में उनके चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया गया। उत्सव एवं जयंती प्रमुख बहनों, आचार्यों और दीदियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विद्या भारती सेवा क्षेत्र शिक्षा पश्चिम उत्तर प्रदेश के संयोजक एवं प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के टंकारा गांव में हुआ था। उनके बचपन का नाम मूलशंकर तिवारी था। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरोध और



वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया तथा आर्य समाज की

स्थापना की। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटो का संदेश देकर

समाज को जागरूक किया। उन्होंने शिक्षा के प्रसार, नारी सम्मान, जीवों के प्रति दया,

महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए रखा करवा चौथ का व्रत, श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में विधि-विधान से किया पूजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । श्री गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में पंजाबी समाज की सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखा। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना कर व्रत कथा सुनी। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर पूरे



उत्साह और श्रद्धा के साथ पर्व

मनाया। प्रीतम कौर और बहन चरणजीत कौर पाठी ने करवा चौथ व्रत की कथा सुनाई। इसके बाद महिलाओं ने परंपरागत रूप से एक-दूसरे को करवा और थाली का आदान-प्रदान किया तथा अपने पतियों की लंबी आयु की कामना की। चंद्रमा निकलने पर महिलाओं ने छलनी से चंद्र दर्शन कर अपना

नशामुक्ति, यज्ञ-हवन और धार्मिक जागरूकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की, जो आर्य समाज का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ है। उनके विचार आज भी समाज को सत्य, सदाचार और वैदिक जीवन पद्धति अपनाने की प्रेरणा देते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के बताए मार्ग पर चलकर समाज में नैतिक मूल्यों, शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत किया जा सकता है। यज्ञ-हवन और सत्संग के माध्यम से लोगों में

सद्भाव, सकारात्मकता तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। कार्यक्रम में उत्सव एवं जयंती प्रमुख कुमारी महक सैफी, कुमारी साधना मौर्य, कुमारी इकरा, कुमारी एलिजा, गीता मौर्य, अनुराधा, अलीना, आलिया, अराफिया , रोहल, अंजलि , रंगोली प्रमुख पूजा देगौर, वंदना प्रमुख विनीता, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी सहित ब्रजकिशोर मौर्य, धर्मेन्द्र, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, विजेंद्र सिंह, प्रेमपाल, प्रकाश बाबू और दिलीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

व्रत पूर्ण किया। इस अवसर पर गुरजीत खुराना, सुनीता चावला, सीमा अरोड़ा, रितिका अरोड़ा, वाला चावला, सोनिया, पूजा, प्रिया चांदना,

मोहिनी ग़ोवर, गीता अरोड़ा, बलजीत कौर, सतप्रीत कौर और बिंदु नागी, शीरत कौर सहित पंजाबी समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं।

चेंबर हेतु भूमि के लिए बार अध्यक्ष और सचिव ने दिए एसडीएम और तहसीलदार को ज्ञापन, बनाई अनुशासन समिति



बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । तहसील बार एसोसिएशन की बैठक में चेंबर विहीन वकीलों को विधि व्यवसाय के लिए तहसील परिसर में जगह उपलब्ध कराने, संगठन की मजबूती, बार फंड बढ़ाने आदि विषयों पर चर्चा हुई। चेंबर के लिए भूमि दिलाने को

लेकर बार अध्यक्ष आफाक हुसैन और सचिव परमजीत सिंह ने एसडीएम और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कहा कि तहसील में पचास से अधिक वकील ऐसे हैं जिनके पास बैठने को चेंबर नहीं है ऐसे में उन्हें विधि व्यवसाय करने में परेशानी आ रही है उन्हें उपयुक्त जगह

दिलवाई जाए। इसकी जानकारी उन्होंने बैठक में दी और बताया कि अधिकारियों ने इस दिशा में सकारात्मक उत्तर दिया है। बैठक के दौरान नौ सदस्यीय अनुशासन समिति का गठन किया गया। बार से जुड़े नीतिगत मामलों में अनुशासन समिति के निर्णय को सर्वोपरि माना

जाएगा। समिति में पूर्व अध्यक्ष कमाल अकबर, रामकुमार सिंह यादव, भगवान शरण माथुर, चेतन्यपाल सिंह, चौधरी विनय कुमार सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, पूर्व सचिव सुनील कुमार, जबर सिंह, बार के चुनाव अधिकारी नवाब हुसैन को शामिल किया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)				
नोटिस ::				
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला बाजार पश्चिमी वार्ड संख्या-03, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-113, जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमति जीतकौर पत्नी श्री प्रताप सिंह, निवासी मौहल्ला बाजार कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है, पर श्री मेहन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी मौहल्ला बाजार पश्चिमी कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबई 96.14 वर्गमीटर पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-03/09/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ दान पत्र की छायाप्रति संलग्न की गयी है।				
क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	113	ब I ज पश्चिमी	र श्रीमति जीतकौर पत्नी श्री प्रताप सिंह	श्री मेहन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह
उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।				
अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)				

पेंशनर्स को अब कोषागार के चक्कर काटने और लंबी लाइनों से मिलेगा छुटकारा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों और पारिवारिक पेंशनरों को अब जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्य कोषाधिकारी ने नवंबर माह में देय जीवन प्रमाण पत्र को लेकर नई व्यवस्था की जानकारी दी है, जिसके तहत पेंशनर अपने स्मार्टफोन से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, कोषागार में अत्यधिक भीड़ और बुजुर्गों को होने वाली परेशानी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। पेंशनर वेबसाइट www.jeevapramaan.org.in

झोलाछाप ने एक के बाद एक पांच इंजेक्शन लगाए, दो माह के बच्चे की मौत

झोलाछाप डॉक्टर ने दो माह के बच्चे को एक के बाद एक पांच इंजेक्शन लगाए। इससे बच्चे की मौत हो गई। जांच में अस्पताल का पंजीकरण भी एक्सपायर्ड मिला।सीतापुर जिले के बिसवां कस्बे के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दो माह के बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। डीएम ने शिकायत मिलने पर तत्काल एसडीएम व सीएचसी अधीक्षक को मौके पर भेजा। अस्पताल का पंजीकरण एक्सपायर्ड मिला। इस पर अस्पताल का संचालन रोक दिया गया। वहीं, टीम के पहुंचते ही वहां से चिकित्सक भाग गए। इलाके के अमर नगर निवासी रामलखन कनौजिया दो माह के बेटे नितिन को जुकाम, बुखार व खांसी की शिकायत पर मोहल्ला बगिया स्थित एक क्लीनिक पर लेकर गए थे।

सामूहिक विवाह या योजना की रस्म अदायगी: जींस-टॉप में पहुंचीं दुल्हनें, उपहार के लिए बारिश में भीगते रहे वर-वधू

चार दिवसीय आयोजन के पहले दिन 108 जोड़ों का विवाह हुआ। 10 मुस्लिम जोड़ों का निकाह हुआ। बारिश में उपहार लेने के लिए दूल्हा-दुल्हन भीगते रहे।कहीं जींस-टॉप में दुल्हन सात फेरे लेने पहुंची तो कहीं मांग में सिंदूर भरने की रस्म की जगह माथे पर टीका लगाकर विवाह की औपचारिकता पूरी कर ली गई। किसी ने सलवार-सूट में वरमाला डाली तो कोई पारंपरिक दुल्हन के जोड़े के बिना ही मंडप में पहुंच गई। यह नजारा कहीं और नहीं बल्कि बिधनू में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित शादी समारोह में देखने को मिला। मंडप के नीचे बैठे जोड़ों की इन तस्वीरों ने आयोजन के स्वरूप और सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। गरीब परिवारों की बेटियों को सम्मान के साथ विवाह का अवसर देने के लिए आयोजित समारोह में रस्मों का यह बदला अंदाज चर्चा का विषय बना रहा। वहीं, पहले से प्रेम विवाह कर चुके जोड़ों के दोबारा सामूहिक विवाह समारोह में शामिल कर योजना का लाभ दे दिया गया।बिधनू के कठेरूवा स्थित गेस्ट हाउस में समाजकल्याण विभाग ने चार दिवसीय सामूहिक विवाह समारोह का शुभारंभ शुरूवार



को हुआ। पहले दिन भीतरगांव ब्लॉक के 108 जोड़ों का विवाह कराया गया। इनमें 10 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी शामिल रहा। समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में विवाह की रस्में पूरी कराई गईं लेकिन आयोजन की तस्वीरों में सबसे ज्यादा चर्चा उन दुल्हनों की रही, जो जींस-टॉप और सलवार-कुर्ता में ही सात फेरे लेने मंडप में पहुंच गईं। विवाह के दौरान कहीं पारंपरिक रस्में निभाई गईं तो कहीं मांग भरने के बजाय माथे पर टीका लगाकर रस्म पूरी की गई।मंडप में दुल्हन के जोड़े की जगह जींस-टॉप- सामूहिक विवाह समारोह में चांदनी और राधिका की तस्वीरों ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। भीतरगांव ब्लॉक के बरईगढ़ निवासी छंगू सोनकर की बेटी चांदनी घाटमपुर के गुजेल निवासी रामप्रसाद के बेटे शैलेंद्र कुमार के साथ विवाह करने पहुंची। चांदनी जींस-टॉप पहने थीं। विवाह की रस्म के दौरान मांग में सिंदूर भरने के बजाय माथे पर टीका लगाया

फ्रंट कैमरे से पेंशनर के चेहरे की लाइव फोटो कैप्चर करें। आईडी नोट करें- प्रक्रिया पूरी होने पर स्क्रीन पर प्रदर्शित यूनिक प्रमाण आईडी को सुरक्षित रख लें। ऑफलाइन आने वालों के लिए दोपहर 3 बजे तक का समय कोषाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन के बाद कोषागार आने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। जो पेंशनर किसी कारणवश ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं, वे बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड और एक पासपोर्ट साइज फोटो लेकर दोपहर 3=00 बजे तक कोषागार में उपस्थित होकर अपना प्रमाण पत्र जमा करवा सकते हैं।

भारत इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों को बताया ई कचरा प्रबंधन के बारे में

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । भारत इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल जटपुरा झारू बिलारी में सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ई कचरा प्रबंधन के अंतर्गत E- Waste Management के अंतर्गत IEC (information, Education and Communicatoin) सामग्री के संबंध में 04 Bins (Green , Blue,Red and Black) की व्यवस्था करते हुए विद्यार्थियों को इनके

सदैव अच्छों का संग करो तो अच्छे बनोगे, आरीखेड़ा में श्रीमद् भागवत कथा का प्रथम

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । क्षेत्र के गांव आरीखेड़ा के शिव मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इससे पहले महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। बाबा हरिदास जी की अध्यक्षता में चल रहे कार्यक्रम में कथा व्यास आचार्य शिव शंकर भारद्वाज ने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य पर चर्चा करते हुए कहा प्रभु की भक्ति भाग्यशाली लोगों को ही मिलती है भक्ति में असीमित शक्ति है भक्ति बड़े से बड़े संकट को भी टाल देती है। कथा प्रसंग की चर्चा में कहा ज्ञान प्रभु की कथाओं के श्रवण, विद्वानों के संग करने से मिलता है। ज्ञान अच्छे और बुरे की पहचान करता है और यह बोध कराता है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। उन्होंने



उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया विद्यार्थियों को इको क्लब के माध्यम से E-Waste में अलग अलग प्रकार का कचरा

किस रंग के डस्टबिन में डालना है ये प्रधानाचार्या सुहासिनी सिंह ने बच्चों को समझाते हुए प्रयोग करके दिखाया तत्पश्चात बच्चों से प्रश्नोत्तर भी किये गये ।



उद्धव गोपियों का प्रसंग मार्मिक ढंग से सुनाया। उन्होंने कहा व्यक्ति को सत्संग सौभाग्य से मिलता है जिस प्रकार गोकर्ण को सत्संग मिला लेकिन उसका भाई धुंधकारी कुसंग में पड़कर पथभ्रष्ट हो गया उसकी दुर्दशा देख गोकर्ण ने अपने ज्ञान और

पुण्य से उसकी दुर्दशा को सुधारा। कथा प्रसंग के माध्यम से व्यास जी ने कहा सदैव अच्छों का संग करो तो अच्छे बनोगे। माता-पिता गुरुजनों और बड़ों का सदैव आदर करो उनकी डांट फटकार को भी प्रेरणा के रूप में स्वीकार करो।

पुलिस और सेना के जवान की हत्या के लिए पाकिस्तानी हैंडलर से किया तीन लाख का सौदा , एटीएस ने दबोचा



आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर के कहने पर लखनऊ में पुलिस या सेना के किसी जवान की हत्या करने आए थे। इसके लिए उन्हें तीन लाख रुपये देने का वादा किया गया था। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।प्रतिबंधित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े चार लोगों को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। इनमें पंजाब के तीन युवक और एक नाबालिग शामिल है। आरोप है कि पाकिस्तानी हैंडलर राना भाई के कहने पर वे लखनऊ में पुलिस या सेना के किसी जवान की हत्या करने आए थे। इसके लिए उन्हें तीन लाख रुपये देने का वादा किया गया था।एटीएस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल और 20 कारतूस बरामद किए हैं। एटीएस के मुताबिक, उसे सूचना मिली थी कि शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े पंजाब के कुछ युवक सेना या

पुलिस के किसी प्रतिष्ठान पर हमला करने की फिराक में हैं। जांच में गगनदीप सिंह और उसके साथियों का नाम सामने आया। ये सभी पाकिस्तानी हैंडलर राना भाई के संपर्क में थे। एटीएस ने 30 अक्टूबर को लखनऊ से चारों को गिरफ्तार कर लिया।पुल्टाछ में आरोपियों ने बताया कि वे 27 अक्टूबर को पंजाब के अमृतसर से दिल्ली होते हुए 29 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे लखनऊ पहुंचे थे। राना भाई ने उन्हें आने-जाने के किराये के लिए 2585 रुपये भेजे थे। लखनऊ पहुंचने के बाद उन्होंने रेलवे स्टेशन का वीडियो बनाकर उसे भेजा था।आरोपियों के मुताबिक, राना भाई ने उन्हें बताया था कि पाकिस्तान से हथियार और कारतूस भेजे गए हैं। लखनऊ में उसके एक साथी ने उन्हें पिस्टल और कारतूस दिए थे।

हत्या के बाद वीडियो बनाकर भेजने और तीन लाख रुपये देने का वादा किया गया था। इसके बाद उन्हें नेपाल जाकर छिपने के लिए कहा गया था।एटीएस को आरोपियों के मोबाइल फोन में विदेशी नंबरों से बातचीत, संदिग्ध वीडियो और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की रेकी से जुड़ी जानकारी मिली है। आरोप है कि वे इन प्रतिष्ठानों की लोकेशन भी पाकिस्तानी हैंडलर को भेज रहे थे। इस मामले में एटीएस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। एटीएस अब आरोपियों के अन्य साथियों और इस साजिश में शामिल लोगों की तलाश के साथ ही पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपी- गगनदीप सिंह (26), अमृतसर। रजत कुमार (19), अमृतसर। दिश (21), गुरदासपुर। एक बाल अपचारी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी के साथ करवाचौथ मना रही थी चार बच्चों की मां, तभी सामने आ गया पति; जेठानी ने सिखा दिया सबक

यूपी के मथुरा जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चार बच्चों की मां रात के अंधेरे में करवाचौथ मनाने प्रेमी के



पास पहुंच गई। महिला अपने प्रेमी के साथ इश्क लड़ा रही थी, तभी सामने पति आ गया। फिर जमकर हंगामा हुआ।

पुलिस बुलानी पड़ी।मथुरा के थाना हाईवे क्षेत्र की वसंत विहार कॉलोनी में गुरुवार रात करीब सात बजे उस समय हंगामा मच गया, जब करवाचौथ के दिन कथित प्रेमी से मिलने पहुंची एक विवाहिता को उसके पति ने पकड़ लिया। घटना के बाद परिवार की महिलाओं के बीच जमकर विवाद हुआ। प्रेमी से मिलने पहुंची देवरानी से जेठानी भिड़ गई। दोनों के बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।ज्ञानकारी के अनुसार छटीकरा निवासी युवक की शादी करीब 15 वर्ष पहले धौलपुर निवासी महिला से हुई थी। दंपती के चार बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि महिला का गांव के ही युवक से कथित प्रेम प्रसंग चल रहा था। गुरुवार को पति को पत्नी के वसंत विहार कॉलोनी स्थित एक मकान में पहुंचने की जानकारी मिली। इसके बाद वह भी मौके पर पहुंच गया और पुलिस को सूचना दी।सूचना पर डायल 112 की टीम पहुंची। इसी दौरान परिवार की महिलाओं के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह दोनों को अलग कराया। हंगामे के बीच कथित प्रेमी के मौके से भाग गया। बताया गया कि कथित प्रेमी मथुरा की एक कंपनी में काम करता है। कॉलोनी में किराये पर रह रहा था। मकान मालिक भी मौके पर पहुंचे। पुलिस पति-पत्नी को थाने ले गई। सीओ प्रवीण तिवारी ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मेहमान कलम

अपनायें कूड़ा प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीके, सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत- कूड़ा कचरा और रही के पुनः उपयोग के लिए प्लास्टिक को छटाई करके रिसाइकल के लिए भेज दे।कपड़े किताबें फर्नीचर और घरेलू उपयोग की चीजें फेंकने के बजाए जरूरत मंद लोगों को दे दे । कूड़ा प्रबंधन के वैज्ञानिक उपयोग को अपनायें जिससे कि प्रदूषण कम से कम हों और उपयोगी संसाधन प्राप्त हों।कंपोस्टिंग तकनीक से गीले जैविक कचरे से खाद बनायें।जिसमें नमी और हवा का सही मिश्रण हों।ढायागैस संयंत्र का निर्माण कर बचे हुए भोजन ,गोबर ,अन्य उपयुक्त जैविक कचरे से गैस बनाई जा सकती है।इसके सुचारू संचालन के लिए महिलाओं और बच्चों को प्रशिक्षित किया जा सकता है।मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी(MRF) के द्वारा सूखे कचरे की सफाई करें।अलग अलग सामग्री का सुरक्षित भंडारण हो।मैकेनिकल या जैविक उपचार से मिश्रित कचरे की छँटाई करें।निर्माण कचरे का प्रसंस्करण से मलबे से उपयोगी एग्रीगेट और अन्य सामग्री का उपयोग करें।वैज्ञानिक लैंडफिल अर्थात् अनूपचारित न किए जाने वाले अवशिष्ट का सुरक्षित निपटान करें।खुले में कचरा जलाना वैज्ञानिक समाधान नहीं है।इससे सूक्ष्म कण ,ज़हरीली गैस और अन्य प्रदूषक निकल सकते हैं।इस लिए जलाने से पहले उसकी छँटाई कर लें।सिर्फ मशीन लगाने से कूड़े की समस्या हल नहीं होगी।इसके लिए लोगों के व्यवहार और समुदाय की भागीदारी आवश्यक है।इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जाये।मोहल्लों ,गाँवों ,धार्मिक स्थलों ,बाज़ारों ,सार्वजनिक स्थानों पर बैठकें रैलियाँपोस्टर स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित करें।विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा देकर बच्चों को स्वच्छता और कूड़ा प्रबंधन का पाठ पढ़ावें।सफाई कर्मचारियोंको सम्मान दें।उन्हें सेप्टी किट दस्ताने जूते आदि उपलब्ध करायें।स्थानीय स्तर पर कागज़ प्लास्टिक रीसाइक्लिंग,रिपेयरिंग और कम्पोस्ट उत्पादन से रोज़गार सृजन कर सकते हैं।सामुदायिक भागीदारी के लिए गाँव मुहल्ले में निगरानी समितियाँ बनायें।भारत सरकार की प्रमुख नीतियों एवम् कार्यक्रम के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 ,स्वच्छ भारत मिशन शहरी ,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण ,प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम ,ई कचरा प्रबंधन नियम 2022और संशोधन ,जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधननियम 2016,battery अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022,निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम2025 आदि का आधिकारिक विवरण पर्यावरण बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा भारत सरकार के संसदीय उत्तरों में उपलब्ध हैं।सबसे महत्व पूर्ण सिद्धांत है कचरा पैदा होने से रोकना उसका दोबारा उपयोग करना।पुनर्वर्णन करना ,और केवल अनुपयोगी अवशेष का सुरक्षित निपटान करना।**मेहमान कलम--एच आर सनी, रहमान नगर बाहपुर, पो- फरहेदी, ब्लॉक कुंदरकी जिला मुरादाबाद।**



Do you feel irritated by messages or calls from friends? Are you also suffering from 'friendship fatigue'? How to identify it:



or finding excuses to avoid meeting them is also a sign of friendship fatigue. Feeling guilty later about not meeting your good friends is also a sign of friendship fatigue. How to avoid friendship fatigue? Everyone has a limited social battery. So understand your boundaries and don't overexert yourself. Furthermore, it's not necessary to attend every event or party. If you're tired or don't want to go, politely decline. Your true friends will understand your reasons, and you won't have to make unnecessary excuses. To avoid friendship fatigue, it's important to maintain some distance from your friends on social media. It's not necessary to respond to every message immediately. A digital detox will relieve your mental fatigue, and meeting or talking to friends won't seem as difficult.

Why are breast cancer cases increasing in India? Women should be aware of these signs.

Breast cancer has doubled in the past two decades. If women are aware of this health crisis, it's not difficult to prevent it in time. What are the important things to keep in mind?



Breast cancer cases in India have doubled in the past 20 years. Pollution, age, and changing lifestyles are the main causes of breast cancer. Prevention is possible through self-examination, mammography, and a healthy lifestyle. Awareness about all types of cancer is important, but breast cancer awareness is especially important because it is continuously increasing in India. It has more than doubled in the past 20 years. There was a time when breast cancer surgeries were performed once a week; now they are performed four to five. There are many reasons for the spread of breast cancer. For example, pollution has emerged as a major cause of cancer in urban areas. Furthermore, the risk of cancer increases with age. Dr. Ramesh Sarin (Senior Consultant, Surgical Oncology, Indraprastha Apollo Hospital, New Delhi) says that we should be aware that the elderly population in India is also increasing. Furthermore, urbanization is leading to lifestyle changes, which is a major contributor to the spread of cancer. Lifestyle factors include all factors, including lifestyle and diet. Due to improved diet, girls are menstruating earlier. Children are having fewer children. Breastfeeding is not common. It should also be noted that the longer the menstrual period lasts, the greater the risk. Dietary habits, stress, smoking, and alcohol consumption have increased rapidly among women. The risk of obesity is not decreasing. These are some of the changes that contribute to the increase in breast cancer. Don't be afraid, fight it. Cancer can affect anyone. The sooner you understand this, the more you will be aware of the need for diagnosis. Furthermore, this cancer has some symptoms that can be identified. A good aspect of breast cancer is that it has symptoms, while other cancers may not show any symptoms. It's best to examine your breasts yourself. For example, stand in front of a mirror and examine both breasts to see if there are any changes in the skin or shape, or if you notice any lumps or bumps. This is an important step that can help you protect yourself. Remember, self-awareness is a powerful tool in preventing breast cancer. Whether someone at home is willing or not, take the initiative to get a mammogram at least once a year. Even if you're not at risk, you should definitely get it done once every two years. What if something is missed? Avoiding this fear can help you take steps toward breast cancer prevention. Don't ignore these symptoms: a lump in the breast or armpit, changes in shape or color, a nipple that shrinks and turns inward, or fluid or blood coming from the breast. Lifestyle changes: Try to maintain a balanced weight to avoid hormonal imbalances and reduce the risk of cancer. Incorporate physical activity, morning jogging, and brisk walks into your daily routine. Include antioxidants like spinach, carrot, orange, lemon, amla, nuts, coarse grains, pulses etc. in your regular diet.

These 6 smart hacks will save you from backbreaking Diwali cleaning. Every corner of your home will shine like glass with minimal effort.

In this article, we've brought you 6 smart ways to make Diwali cleaning easier and less tedious. While the festival of Diwali brings joy, the massive cleaning campaign that precedes it often wears us down. Yes, cleaning every corner scrubbing, it doesn't achieve the shine we'd hoped the effort and leave your home sparkling like new? your strategy. In this article, we've brought you 6 and energy. Top-to-bottom rule: Always start move on to walls and windows, and finally, the cleaned below, and you won't have to clean the remove any items from your home that you haven't broken items. When there's less unnecessary stuff The magic of old socks - To clean window grills, Slightly dampen it and wipe it. This will force dust more effectively. Magical homemade cleaner - To expensive market cleaners. Mix baking soda with a little white vinegar to make a paste. Apply it to the dirty area, leave it for 10 minutes, and then gently scrub it away. All stubborn stains will disappear. The natural power of lemon: To clean the inside of a microwave or oven without scrubbing, add lemon slices to a bowl of water and run the microwave for 5 minutes. Afterward, simply wipe the inside with a dry cloth. Similarly, rubbing lemon on bathroom taps completely removes white stains, leaving them sparkling like new. Never make the mistake of cleaning your entire house in one day, one room a day. This will only tire you out and cause back pain. Divide your cleaning into sections: one day, the kitchen, the next day the bedroom, and then the living room. This will reduce the feeling of workload and allow for a more thorough cleaning. Clean ceiling fans and window-doors like this: Cleaning ceiling fans and window-doors can be one of the most difficult and boring tasks in a household. Just looking at dust-filled fans and clogged windows is exhausting, but with a few clever tricks, you can complete this task in minutes without much effort. Old pillowcases for fans: When cleaning fan blades, dust can fly throughout the room. To avoid this, place an old pillowcase inside the blade and gently pull it out. All the dust will fall inside the cover, leaving the floor undisturbed. Use newspaper on window panes: To shine the glass, spray a solution of water and white vinegar. Then, instead of using a cloth, crush old newspaper and rub it on the glass. The newspaper absorbs all the moisture from the glass, leaving no traces or water stains. Old toothbrush for sliding channels: Removing dust stuck in the sliding channels of windows or the intricate carvings of doors can be quite a hassle. To do this, lightly dampen an old toothbrush and rub it into the corners; any stubborn dirt will come out easily. Oil for door polishing: To restore the shine of wooden doors, gently rub olive oil or coconut oil on them. This will restore their former shine and make them look brand new. With these little hacks, not only will every corner of your house shine like a mirror, but you will also have plenty of time to do your festival shopping and groom yourself.



"I'm a little disappointed..." Anup Soni's scenes deleted from Parineeti Chopra's "Shaak," the actor shared his experience!

Parineeti Chopra's Shaak series was released on Netflix on September 24, 2026. Anup Soni's scenes deleted from "Shaak" - the actor shared his disappointment on social media - The "Shaak" series was released on his work in "Shaak: Trust No One," which Jennifer Winget play key roles in this version - Anup Soni played the role of some scenes on Instagram that were expressed disappointment that these scenes of deleted scenes. These clips provide a Inspector Khurana's scenes. In one video, fight between his character and co-star Vicky Arora. In another clip, Anup is seen Although these scenes were not included preparing them. Anup shared his explained that creating a scene requires the camera. He also explained how much time audience may never see. In his Instagram Khurana sahab from the film 'Shaak' that didn't make it into the final version. A lot of thought, time, effort, and resources go into creating these scenes, with the writer, director, action choreographer, actors, cinematographer, producer, and the entire crew contributing." However, Anup also admitted that not every scene makes it into the final edit, despite the considerable effort put into it. He further added, "It can be a little disappointing when a sequence doesn't make it into the final cut, but filmmaking requires keeping the entire story in mind, and sometimes removing a part makes the story better." About Shaak - Directed by Rensil D'Silva, 'Shaak: Trust No One' is produced by Siddharth P. Malhotra and Sapna Malhotra under the banner of Alchemy Productions. The series stars Parineeti Chopra in the lead role, while Jennifer Winget, Soni Razdan, Anup Soni, Tahir Raj Bhasin, Sumeet Vyas, Harleen Sethi, and Dhruv Chaudhary appear in pivotal roles. The show released on Netflix on September 24.



September 24. Anup Soni gave audiences a glimpse of audiences had never seen before. Parineeti Chopra and Netflix thriller. Anup Soni's scenes removed from the final Inspector Khurana in the series. On Saturday, he shared removed from the final version of the film. He also were not included in the film. Anup Soni shared a video glimpse of the physical training performed for some of injuries are visible on Anup's body, presumably from a Vicky Arora. At the end of this scene, he is seen choking gasping for breath, with a camera attached to his waist. in the show, Anup's post reveals the effort that went into experience on social media. Sharing the video, Anup efforts of many people, both behind and in front of the and planning can go into preparing scenes that the caption, the actor wrote, "There are some scenes of

"My divorce party..." Akanksha Chamola gave a strange answer to a paparazzi's question, and people trolled her heavily.

Akanksha Chamola surprised everyone by saying she would throw a "divorce party" during a conversation with paparazzi. Akanksha Chamola talked about throwing a divorce party. Akanksha has been separated from Gaurav Khanna for a year - both actors are getting a mutual divorce. Akanksha Chamola's comments about her relationship with Gaurav Khanna on "Lock Up" Season 2 shocked her fans. The actress revealed that she and Gaurav are getting a divorce and have been living separately for quite some time. Recently, during a conversation with paparazzi, Akanksha Chamola joked with the paps and said she would throw a "divorce party." Akanksha jokingly told a paparazzi that she had recently broken up. Akanksha talked about a party with the paparazzi. Akanksha is currently appearing on "The Indian Game Show," hosted by Bharti Singh and Harsh Limbachiya. While posing for the paparazzi, a paparazzi told her that she had recently broken up. Akanksha asked, "Are you throwing a party or not?" When the paparazzi asked if she would also throw a party, Akanksha, alluding to her divorce, replied, "No, I'm busy building a house right now. I'll throw a party after that." He then suggested they celebrate together, to which Akanksha laughed and agreed. She replied, "Yes, I will do it together. Your breakup party and my divorce party." Fans then began trolling Akanksha in the comments section. One said, "After this, there's nothing to talk about except divorce." A couple living separately for a year - Akanksha and Gaurav were married on November 24, 2016, in Kanpur. Everyone was shocked when Akanksha revealed on the show that she and Gaurav had been living separately for almost a year. Explaining their decision, she said they mutually realized they were not compatible and had different expectations from life. She also clarified that there is no bitterness between them and they still communicate with each other.



Bundelkhandi style, harmonium-cymbal vibes; 10 singers sang Hanuman Ansh's bhajan; people immersed in Bajrangi's devotion

A Hanuman Ansh bhajan has been recreated and is going viral on the internet. The latest devotional song has taken over the internet - Hanuman Ansh's song has been recreated - the devotional song has garnered millions of views. The biographical devotional film "Hanuman Ansh," about Karoli Baba, became a sensation upon its release. Not only Shobhinav Satya's performance, its success, or its spine-chilling scenes, but the film's songs also garnered widespread attention. All the songs in "Hanuman Ansh," composed in a desi style, became superhits. Now, 10 singers have recreated a song from "Hanuman Ansh," which has become a sensation as soon as it was uploaded. Bajrangi's bhajan has taken over the internet - when this song was originally composed, it was highly praised. The most talked-about song is Sunil Lodhi. The song being discussed is "Maine Tere Hi Bharose Hanuman...". Hanuman Ansh's song recreated - This song by Sunil Lodhi has been recreated by Pankaj VRK Productions and sung by around 10 singers. The song was shot in a temple, where everyone is singing a hymn to Bajrang Bali with musical instruments like harmonium and cymbals. 10 singers gave voice to this song - the song is sung in Bundelkhandi style. Akshay Bhardwaj, Shreyansh Shukla, Mokshit Sangara, Geetansh Dashore, Shubham Mishra, Aryan Kesharwani, Abhijeet Oswal, Kshipra Joshi, Sanjot Barot, and Saumya Sinha have sung it together. The song was uploaded to YouTube on October 22nd and has now gone viral on the internet once again. The devotional song has received over 400,000 views. The singer's fortunes were catapulted overnight. "Maine Tere Hi Bharose Hanuman" is a bhajan sung and composed by Sunil Lodhi for "Hanuman Ansh." The song went viral online as soon as it was uploaded, catapulting Sunil to overnight recognition.

